प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.02.2026 / प्रादेशिक समाचार / 9:20बजे

मुख्य समाचार''

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा–केंद्रीय बजट में अभूतपूर्व सुधारों से और मजबूत होगी देश की नीव।
- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा–16वें वित्त आयोग द्वारा आरडीजी समाप्त करने से छोटे और पहाड़ी राज्यों को होगा सबसे अधिक नुकसान।
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने केंद्रीय बजट को बताया विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का आधार स्तंभ।
- लाहौल की गाहर घाटी में बीती रात हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हालड़ा उत्सव।
- प्रदेश में हुई व्यापक वर्षा और बर्फबारी से पूरा राज्य शीतलहर की चपेट में।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण द्वारा पेश आम बजट एक अनूठा बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने पर केंद्रित होने के साथ ही उच्च पूंजीगत व्यय और उच्च विकास पर जोर देता है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर देश की महत्वकांक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के 140 करोड़ नागरिक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट नहीं हैं और वे जल्द से जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उभरते क्षेत्रों, अवसंरचना और पूंजीगत व्यय को प्रमुखता से प्रोत्साहन दिया गया है और बजट में शामिल नई नितिगत और व्यापारिक पहलों से युवाओं को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय बजट को मानव केंद्रित बताया और कहा कि ये बजट अभूतपूर्व सुधारों के साथ देश की नींव को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि बजट प्रस्ताव अर्थव्यवस्था को उर्जा प्रदान करेंगे और नागरिकों को सशक्त बनाएंगे। साथ ही देश के युवाओं को नई उंचाईयां छूने के अवसर भी देंगे।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 16वें वित्त आयोग द्वारा राजस्व अनुदान घाटे को समाप्त करने का विरोध किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस अनुदान के समाप्त होने से छोटे और पहाड़ी राज्यों को सबसे अधिक नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि ये अनुदान बंद करना संघीय ढांचे की भावना के विपरीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संवैधानिक और कानूनी विकल्पों पर विचार करेगी और लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल

प्रदेश की भोगौलिक परिस्थितियां अलग हैं क्योंकि प्रदेश का केवल दस प्रतिशत क्षेत्र ही औद्योगिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध है और जीएसटी लागू होने के बाद राज्य कर अधिकार भी सीमित हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के सांसदों ने राजस्व अनुदान घाटे के मुद्दे पर प्रदेश के हितों की मजबूती से पैरवी नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में 15 हजार मेगावाट से अधिक जलविद्युत पैदा हो रही है लेकिन इसके बावजूद राज्य को उसके संसाधनों का उचित लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जिन जलविद्युत परियोजनाओं की लागत पूरी हो चुकी है उनमें राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाई जानी चाहिए।

जयराम ठाकुर

नेता विपक्ष जयराम ठाकुर ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का आधार स्तंभ और सर्वस्पर्शी बताते हुए इसकी सराहना की है। नेता प्रतिपक्ष ने केंद्रीय बजट को अमृतकाल का अमृत कलश भी करार दिया और कहा कि इससे हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में ईको टूरिज़्म विकसित करने के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि कैंसर की दवाओं में सीमा शुल्क की छूट और हिमाचल में मांउटेन ट्रेल जैसे प्रोजेक्ट दर्शातें हैं कि ये बजट विकास भी, विरासत भी के मंत्र के साथ हर वर्ग और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने वाला है। जयराम ठाकुर ने कहा कि बजट में इस बात का खासतौर पर जिक्र होने से पहाड़ी राज्य हिमाचल में पर्यटन गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी तथा रोज़गार के साधन बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट से प्रदेश में नए पर्यटन स्थल उभरेंगे और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विस्तार होगा जो राज्य को नई उंचाईयों पर ले जाएगी। जयराम ठाकुर ने कहा कि ये बजट न केवल घरेलू उद्योगों, उर्जा सुरक्षा और कृषि उत्पादकता को बल देता है बल्कि हिमाचल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और एम.एस.एम.ई सैक्टर को भी नई उर्जा प्रदान करेगा।

हालड़ा

लाहौल घाटी की गाहर घाटी में भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बावजूद पारंपरिक लोक पर्व हालड़ा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। बीती रात करीब 9 बजे पूरी गाहर घाटी हालड़ा हो–हालड़ा हो के जयकारों से गूंज उठी। इस दौरान कारदंग, बरबोग, केलांग और यूरनाथ पंचायतों के ग्रामीण अपने–अपने घरों से बनाई गई लकड़ी की मसाल लेकर बाहर निकले और पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ हालड़ा निकाला। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार हालड़ा की अग्नि से असुरी शक्तियां दूर होती हैं और सुख समृद्धि का आगमन होता है। इस दौरान ग्रामीणों ने अपने ईस्ट देवी–देवताओं और शिष्करपा की पूजा–अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली और अच्छी फसल की कामना की।

पीएमजीएसवाई

सेब उत्पादन के लिए विख्यात शिमला जिला के दूरदराज क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना चरण चार के तहत सड़कों का जाल और मजबूत होगा। जिले में पीएमजीएसवाई चार के

तहत 92 नई सड़कें बनने जा रही हैं। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे शिमला जिला संवाददाता की ये रिपोर्ट...

मौसम

प्रदेश में बीते दो दिनों के दौरान हुई व्यापक बर्फबारी और वर्षा से पूरा प्रदेश कड़ाके की शीतलहर की चपेट में है। मौसम विभाग के अनुसार ताजा वर्षा और बर्फबारी से प्रदेश में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में चार से पांच डिग्री सैल्सियस की कमी आई है। बीती रात राजधानी शिमला के कई इलाकों में ओलावृष्टि हुई जबकि कुफरी और नारकंडा में इस दौरान हल्की बर्फबारी हुई। उधर जनजातीय क्षेत्रों लाहौल स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा जिला के पांगी व भरमौर में बीती रात बर्फबारी का सिलसिला जारी रहा। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मनाली, सोलंगनाला, धुंधी और कोठी में ताजा हिमपात हुआ।

इस बीच आज प्रदेश में दिन की शुरूआत हल्की धूप के साथ हुई है। मौसम विभाग ने आज राज्य के मध्यम व अधिक उंचाई वाले अलग–अलग स्थानों पर वर्षा और बर्फबारी की संभावना जताई है।

भाजपा

भाजपा प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कहा है कि केंद्रीय बजट सभी वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसमें विशेष रूप से युवा वर्ग के लिए रोज़गार के अवसर सृजित किए गए हैं। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य के लिए बजट में की गई घोषणाएं प्रदेश के लिए बड़ी सौगात है।

सुर्खियां समाचार पत्रों से.....

आज सभी समाचार पत्रों ने केंद्रीय बजट से जुड़ी खबर को प्रमुखता दी है। हिमाचल दस्तक ने इस खबर को सुर्खी दी है भविष्य का बजट।

अंत में मुख्य समाचार एक बार फिर...

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा–केंद्रीय बजट में अभूतपूर्व सुधारों से और मजबूत होगी देश की नीव।
- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा–16वें वित्त आयोग द्वारा आरडीजी समाप्त करने से छोटे और पहाड़ी राज्यों को होगा सबसे अधिक नुकसान।
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने केंद्रीय बजट को बताया विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का आधार स्तंभ।
- लाहौल की गाहर घाटी में बीती रात हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हालड़ा उत्सव।
- प्रदेश में हुई व्यापक वर्षा और बर्फबारी से पूरा राज्य शीतलहर की चपेट में।